प्रभावी शैक्षिक गतिविधियाँ

(प्राथमिक कक्षाओं हेतु)

(विचारक/प्रस्तोता)

प्रशान्त अग्रवाल

सहायक अध्यापक

प्राथमिक विद्यालय डहिया

विकास क्षेत्र : फतेहगंज पश्चिमी

जनपद : बरेली (उ.प्र.)

(निवेदन)

प्राथमिक कक्षाओं से संबंधित इन शैक्षिक गतिविधियों में से अधिकांश का मौलिक चिंतन निवेदक द्वारा ही किया गया है। कुछ गतिविधियाँ कहीं से देखकर, पढ़कर भी संकलित की गयी हैं। हर गतिविधि में सम्यक् रूप से इसे स्पष्ट भी किया गया है।

आशा है कि सुधी साथीगण इनके महत्त्व को समझकर इनका यथोचित लाभ देश के भविष्य वर्तमान विद्यार्थियों तक पहुँचाने की कृपा करेंगे।

शुभ की आशा में....

(निवेदक)

प्रशान्त अग्रवाल

सहायक अध्यापक

प्राथमिक विद्यालय डहिया

विकास क्षेत्र : फतेहगंज पश्चिमी

जनपद : बरेली (उ.प्र.)

25.5.2020

प्रभावी शैक्षिक गतिविधियाँ : अनुक्रमणिका

01. वर्ग-पहेली का त्रिस्तरीय क्रियान्वयन
02. सफल हो गयी अचानक बनी गतिविधि
03. 'पैनी नज़र' गतिविधि
04. पर्याय खोजो, वाक्य बोलो
05. टुकड़े कम, spelling हजम
06. ध्यान से सुनना
07. एक शब्द से त्रिस्तरीय पढ़ाई
08. शब्द बढ़ाओ, वाक्य बनाओ
09. सोचो और कूदो
10. चारवर्णीय अमात्रिक शब्दों से वर्ण-पहचान
11. English Reading Activity
12. तुकबन्दी आधारित गतिविधि
13. प्रश्न घुमाया, बनी पहेली
14. Peer Learning के अनुभव
15. मैं हिन्दी, तुम English लिखो
16. बच्चों पर रचित पद्य, गायन
17. संख्या पहचानो गतिविधि
18. वर्ण-पहचान संबंधी एक गतिविधि
19. Vocabulary Enhancement
20. प्रशिक्षण में कराने योग्य गतिविधियाँ
21. बच्चों का उत्साह : ग़ज़ब का प्रवाह
22. Spelling Learning : एक गतिविधि
23. पहेली विधा : दिमाग घिसकर पैना होता
24. शब्द खोजो, जिसमें हो संख्या/रंग/....
25. प्रार्थना सभा में संस्कारों का बीजारोपण
26. सही वर्ण पहचानो
27. Vowel sounds की आसान पहचान

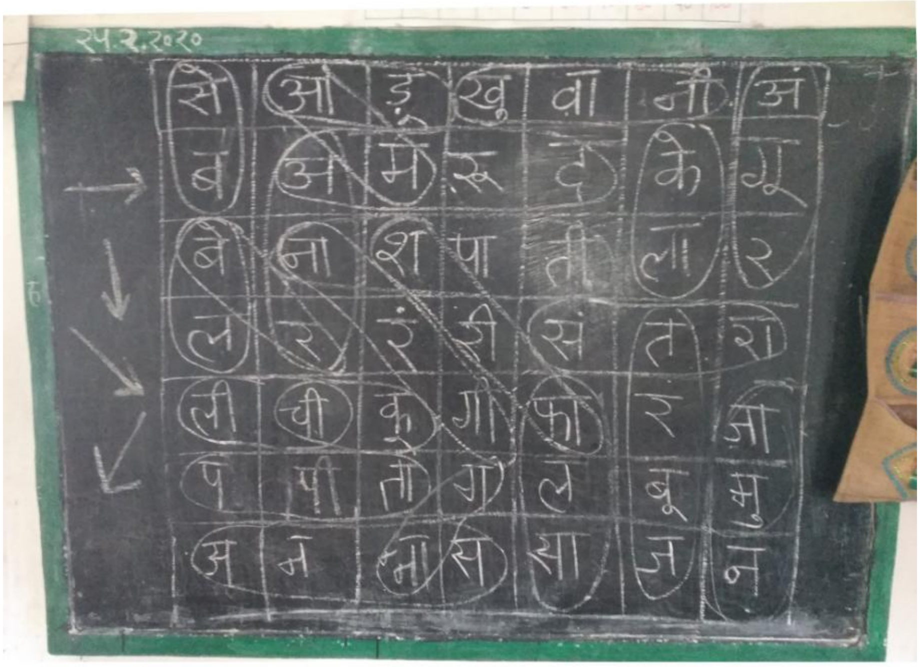

वर्ग-पहेली का त्रिस्तरीय क्रियान्वयन

प्रशान्त अग्रवाल, बरेली

(वर्ग-पहेली के प्रयोग का एक तरीका यह भी)

मिशन शिक्षण

अनेक बार अनेक कक्षाओं/स्तरों के बच्चों को एक साथ पढ़ाना होता है।

ऐसे में वर्ग-पहेली लिखकर यह कर सकते हैं :-

1. **प्रश्न को बहुत घुमाकर मेधावी बच्चों से उत्तर पूछा। (जैसे फलों की पहेली में 'जो कभी सफेद तो कभी लाल होता है', या अन्य प्रकार के प्रश्न)**

2. **फिर मध्य स्तर के विद्यार्थियों से उस बताये गये उत्तर को वर्ग-पहेली में खोजने को कहा।**

3. **फिर प्रारम्भिक स्तर के विद्यार्थियों से उस शब्द को वर्ण-मात्रा में तोड़कर पढ़ने को कहा।**

और भी तरीके हो सकते हैं।

(विचारक : प्रशान्त अग्रवाल, प्रा. वि. डहिया, बरेली, उ.प्र.)

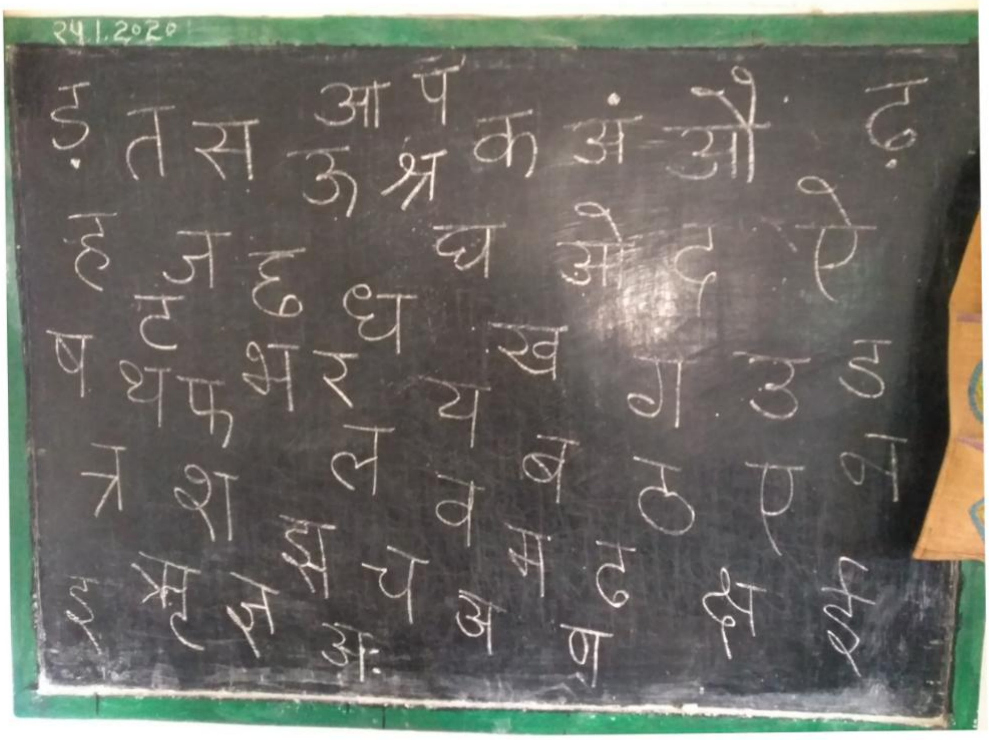

सफल हो गयी अचानक बनी गतिविधि

शायद सभी के साथ ऐसा होता होगा कि पढ़ाते-पढ़ाते स्वतः कुछ ऐसी गतिविधि बन जाती है, जो सफल सिद्ध होती है। आज कक्षा 1-2 के अपेक्षाकृत कमज़ोर छात्रों द्वारा वर्ण-पहचान के समय कुछ ऐसा ही हुआ।

और जब कमज़ोर बच्चे भी सक्रिय उत्साह दिखायें, स्वयं ध्यान देने लगें तो निश्चित ही बहुत हर्ष अनुभव होता है।

गतिविधि : कक्षा 1-2 के अपेक्षाकृत कमज़ोर विद्यार्थियों के समक्ष श्यामपट्ट पर सभी वर्ण अनियमित क्रम में (randomly) लिखे। फिर किसी एक बच्चे का परीक्षण शुरू किया। जिस वर्ण पर वह बच्चा अटका, वहाँ से दूसरे को मौका दिया, फिर जहाँ वह अटका, वहाँ से तीसरे को... बच्चे repeat भी हो सकते हैं लेकिन प्रथम बार हाथ उठाने वाले को वरीयता देते हुए।

चूंकि घोषणा की गयी थी कि जो बच्चे सभी वर्ण पहचान लेंगे, उन्हें पुरस्कार मिलेगा (जो 3 बच्चों ने जीता भी), अतः बच्चे पूर्ण मनोयोग से श्यामपट्ट पर निगाह जमाये रहे।

मूलतः यह योजना भले ही परीक्षण-प्रधान थी, लेकिन प्रतिस्पर्धा ने इसे अधिगम-प्रधान बना दिया, क्योंकि एक बच्चे द्वारा पहचान करते समय शेष बच्चों का ध्यान भी उस ओर रहा।

योजना जारी रहेगी... अन्य ज्ञान-सामग्री में भी इसे आजमाने की कोशिश रहेगी। *(प्रयोगकर्ता : प्रशान्त अग्रवाल, प्रा.वि. डहिया, बरेली, उ.प्र.)*

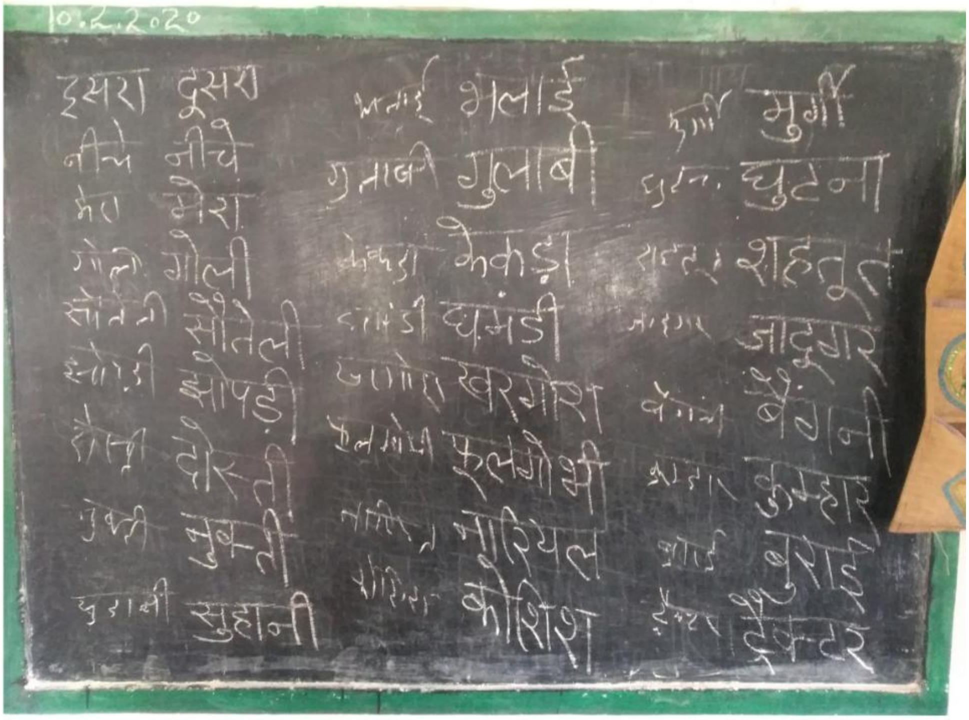

‘पैनी नज़र’ गतिविधि

लिखा घसीटा मारकर, चील पकौड़े बनते
होशियार बच्चों को फिर भी, सही शब्द हैं दिखते

आज कक्षा 1-2 में अचानक एक गतिविधि बनी जिसमें मैंने श्यामपट्ट पर जानबूझकर बेहद खराब लेख में शब्द लिखे और बच्चों से उनकी पहचान करवायी। दो-तीन शब्द छोड़कर सभी शब्द बच्चों ने पहचान भी लिये। बाद में सभी शब्दों को सुस्पष्ट रूप में लिखकर उनका अभ्यास भी कराया।

(लाभ)

1. **नवीन रोचक मुक़ाबले से शिक्षण रोचक हुआ।**
2. **बताने वाले और न बता पाने वाले, दोनों ही प्रकार के बच्चों का रोचकतावश मन एकाग्र हुआ, जो सबसे महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है।**
3. **वर्ण-मात्रा-शब्द की बनावट के प्रति बारीकी से गौर करने से स्मृति अधिक स्थाई हुई।**

(विचारक: प्रशान्त अग्रवाल, प्रा. वि. डहिया, बरेली, उ.प्र.)

मिशन शिक्षण संवाद प्रशान्त अग्रवाल, बरेली

‘पर्याय खोजो, वाक्य बोलो’

(एक गतिविधि)

इस गतिविधि में शुद्ध हिंदी के शब्दों से युक्त एक छोटी सी कहानी बनाकर श्यामपट्ट पर लिखी और फिर बच्चों से ऐसे शब्द ढूँढ़कर उनके तद्भव/पर्यायवाची शब्द/शब्दार्थ बताने को कहा।

यह गतिविधि इस उद्देश्य से की गयी ताकि बच्चे तत्सम-तद्भव एवं पर्यायवाची शब्दों को सिर्फ इन शीर्षकों के अंतर्गत ही याद न करें बल्कि बोलचाल एवं लंबे कथनों में भी उनका सहज प्रयोग करके देखें।

(अनुच्छेद)

मैंने रात्रि में एक स्वप्न देखा जिसमें एक वृद्ध मनुष्य द्वार पर खड़ा था। गहन अंधकार के मध्य चंद्रमा की रश्मियाँ उसके मुख पर पड़ रही थीं। वह व्यक्ति बोला, "मैं निर्धन हूँ। यदि आप मेरी सहायता करेंगे तो ईश्वर आप पर प्रसन्न होंगे।"

(उक्त अनुच्छेद में लगभग 17 शब्द हैं जिनको उनके पर्यायों से परिवर्तित किया जा सकता है।)

* इसी प्रकार इसका vice-versa भी कर सकते हैं, अर्थात सरल शब्द देकर उनके पर्याय वाले शुद्ध शब्दों में परिवर्तित कराकर।

* छोटे-छोटे वाक्य बनाकर भी ऐसी गतिविधि करायी जा सकती है। जैसे :

“दोस्त ने बेटे और बेटी को पढ़ने के लिए स्कूल भेजा।“

(7 परिवर्तनों के बाद)

“मित्र ने पुत्र तथा पुत्री को अध्ययन हेतु विद्यालय भेजा।“

(विचारक : प्रशान्त अग्रवाल, प्राथमिक विद्यालय डहिया, बरेली, उ.प्र.)

टुकड़े कम, Spelling हजम

अक्सर बच्चे spelling बोलते समय हर letter को पृथक टुकड़े में बोलते हैं, जिससे एक साधारण spelling याद करना भी दुरूह बन जाता है।

आज इस पर विशेष फोकस करते हुए spelling के न्यूनतम टुकड़े किये गये, जो जिह्वा-प्रिय भी हों।

जैसे MANGO को M,A,N,G,O के 5 टुकड़ों की बजाय MAN, GO के अनुरूप सिर्फ दो टुकड़ों में बोलना।

फिर बच्चों को उनकी इच्छा से 1/2/3 शब्द आवंटित करते हुए उनसे उन पर मास्टरी की अपेक्षा की गयी जिससे वे आने वाले कल में अपने-अपने शब्द सबको पक्के करा सकें।

हिसाब लगाया तो 10 मिनट प्रतिदिन revise से 15 दिन में अपेक्षित परिणाम मिल जायेंगे।

इसी तरह आगे ......

(प्रस्तुति : प्रशान्त अग्रवाल, प्रा.वि. डहिया, बरेली, उ.प्र.)

ध्यान से सुनना

(पढ़ाते-पढ़ाते बनी गतिविधि)

आज बच्चों को उनके स्तर के अनुरूप motivational lecture दे रहा था कि ध्यान से सुनना क्या होता है। तभी यह गतिविधि बनी।

पहले बच्चों की एक पंक्ति चुनी और हर बच्चे को इंगित करते हुए एक शब्द बोलकर जितने बच्चे उतने शब्द वाला एक सार्थक वाक्य बोला और फिर किसी भी बच्चे से पूछ लिया कि तुम्हारे पास कौन सा शब्द आया था।

बाद में यही गतिविधि random base पर कक्षा में करायी (ताकि हर बच्चा सचेत रहे)।

कुछ बार तो होशियार बच्चे गच्चा खा गए और हाशिये वाले बच्चे बाजी मार ले गए। बच्चों को मज़ा भी आया और तब बच्चों को बोध कराया कि पूरे ध्यान से सुनना क्या होता है।

(विचारक : प्रशान्त अग्रवाल, प्रा. वि. डहिया, बरेली, उत्तर प्रदेश)

एक शब्द से त्रिस्तरीय पढ़ाई
(गतिविधि)

एक त्रिवर्णीय शब्द श्यामपट्ट पर लिखा,

- **जिसे पढ़ेंगे 'आगे बढ़ चुके' बच्चे**

प्रशान्त अग्रवाल, बरेली
मिशन शिक्षण संवाद

- **उसे वर्ण-मात्रवार तोड़कर बताएंगे 'कम जानने वाले बच्चे'**

- **उसके अक्षर/मात्रा पहचानेंगे 'काफी पीछे रह गये बच्चे'।**

और इस सारी प्रक्रिया को देखेंगे सारे बच्चे.....

'सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास'

(विचारक: प्रशान्त अग्रवाल, प्रा. वि. डहिया, बरेली, उ.प्र.)

‘शब्द बढ़ाओ, वाक्य बनाओ’ गतिविधि

आज बच्चों के साथ एक गतिविधि बनी जिसमें सबसे पहले मैंने दो शब्दों का एक वाक्य बोला और फिर बच्चों ने एक-एक शब्द जोड़कर उसे बढ़ाया। जैसे :

1. पेड़ है।
2. एक पेड़ है।
3. वहाँ एक पेड़ है।
4. वहाँ पर एक पेड़ है।
5. वहाँ पर एक हरा पेड़ है।
6. वहाँ पर एक हरा-भरा पेड़ है।
7. वहाँ ज़मीन पर एक हरा-भरा पेड़ है।
8. देखो! वहाँ ज़मीन पर एक हरा-भरा पेड़ है।
9. ....
10. ....

इससे बच्चों की कल्पना-शक्ति का विकास होगा।

(शुरुआती चरण आसान होने से हाथ अधिक उठेंगे, तब उन बच्चों को प्रोत्साहित करके मौका देना चाहिए जो बोलने से प्रायः झिझकते हैं।)

(विचारक : प्रशान्त अग्रवाल, प्राथमिक विद्यालय डहिया, बरेली, उ.प्र.)

'सोचो और कूदो' गतिविधि

एक दिन मध्यावकाश में कुछ सूझा और फिर तत्सम्बन्धी अनेक आयाम मस्तिष्क में आते चले गए।

पहले बच्चों से मिट्टी की ज़मीन पर लंबी डंडी की सहायता से 13-13 की दो पंक्तियों में English के सभी वर्ण लिखा लिये। फिर हर letter के किनारे एक बच्चा खड़ा कर दिया।

फिर खेल बनाया कि मैं एक English word बोलूंगा जिसका पहला letter जिस बच्चे के आगे होगा वह अपने letter पर कूदेगा, गलती पर खेल से बाहर।

खाली स्थान को दायाँ खड़ा बच्चा cover करेगा (एकाग्रता की भी परीक्षा हो जाएगी)

इसी प्रकार खेल बढ़ेगा, विजेता कोई बनेगा।

(एक अन्य आयाम)

एक बच्चा उन सभी letters पर उनका नाम ले-लेकर कूदता जाएगा और शेष छोटे बच्चे खड़े होकर देखेंगे।

(बच्चों को कूदने में मज़ा आया हालांकि कूदते रहने से मिट्टी में उभरे वर्ण जल्दी ही मिट गये।)

इसके और भी अनेक variations बनाये जा सकते हैं।

(सबसे खास बात)

बड़े बच्चों से कहा गया कि तुम छोटे बच्चों को पढ़ाते समय यही तरीका english letter, हिंदी वर्ण आदि में भी खेल-खेल में प्रयोग कर सकते हो।

'हींग लगे न फिटकरी, रंग भी ....'

(विचारक : प्रशान्त अग्रवाल, प्राथमिक विद्यालय डहिया, बरेली, उ.प्र.)

अदरक	बचपन	चमचम
बरगद	धड़कन	छमछम
कटहल	कसरत	डमडम
परमल	हरकत	ढमढम
बरतन	सरपट	झरझर
गरदन	करवट	फरफर
शलगम	इकसठ	टनटन
खटमल	उनसठ	ठनठन
शरबत	पढ़कर	घटघट
थरमस	सजकर	धकधक

प्रशान्त अग्रवाल, बरेली

(शब्द-संयोजन : प्रशान्त अग्रवाल, बरेली)

चारवर्णीय अमात्रिक शब्दों से वर्ण पहचान

आजकल कक्षा 1 और 2 को पढ़ाने में सबसे बड़ी चुनौती लग रही है 'वर्णों की पहचान कराना'।
अतः अनेक प्रकार के प्रयास किये जा रहे हैं।

इसी क्रम में एक और उपाय है 'चार वर्ण वाले अमात्रिक शब्द'

(विशेषताएँ)

1. **पहले स्तंभ में objects, दूसरे में non-objects, तीसरे में sounds हैं।**
2. **पहले और दूसरे स्तंभ में प्रत्येक शब्द के चारों वर्ण अलग-अलग हैं।**
3. **तीसरे स्तंभ में प्रत्येक शब्द में एक ही sound repeat हो रही है, इसमें आनंदपूर्ण शिक्षा की भी कल्पना है।**

[मुख्यधारा के अधिकाधिक वर्णों (32) को समाहित करने का प्रयास है।]

(विचारक-रचनाकार : प्रशान्त अग्रवाल, प्रा. वि. डहिया, बरेली, उ.प्र.)

English Reading Activity

कक्षा 3 के बच्चों को Rainbow पुस्तक के 'one hen two chicken' की कहानी पहले हिंदी में नाटकीय अंदाज में सुना दी।

फिर उनसे कहा कि मैं एक बार में एक शब्द बोलूँगा और वे पुस्तक में उस शब्द पर उंगली रखकर देखते हुए मेरे पीछे-पीछे पूरी कहानी पढ़ते चलें।

इससे उनकी logographic रीडिंग (शब्द को चित्र रूप में पहचानने की आदत) विकसित होगी। बच्चों को भी आनंद आया तो आत्मविश्वास की दृष्टि से एक बार पुनः ऐसा किया।

इसके बाद उनसे English में बेहद आसान सवाल (जिनका जवाब एक शब्द का था) पूछे।

कुछ ने english में जवाब दिये तो कुछ ने हिंदी में। हिंदी में जवाब देने वाले भी मेरे question की English तो समझ ही गये। English vocabulary सम्बन्धी उनका पूर्व ज्ञान भी इस सबमें काम आया।

कुल मिलाकर प्रयोग की सफलता ने आगे के लिए उत्साहित किया।

(विचारक : प्रशान्त अग्रवाल, प्राथमिक विद्यालय डहिया, बरेली, उत्तर प्रदेश)

प्रशान्त अग्रवाल, बरेली

तुकबंदी आधारित गतिविधि

(बच्चों की कल्पनाशक्ति और शब्द-क्षमता बढ़ाने हेतु)

【नेट से प्राप्त, थोड़े संशोधन परिवर्द्धन के बाद】

(पूर्व घोषणा : उत्तर ऐसा शब्द होगा जिसके अंत में 'ली' आना चाहिए)

प्रश्न : जिसमें अँगूठी पहनते हैं?	उत्तर : उंगली
प्रश्न : पत्नी की बहन को क्या कहते हैं?	उत्तर : साली
प्रश्न : बगीचे में कौन काम करता है?	उत्तर : माली
प्रश्न : एक सब्जी है?	उत्तर : मूली
प्रश्न : चावल से बना एक दक्षिण भारतीय व्यंजन?	उत्तर : इडली
प्रश्न : ... त्यौहार?	उत्तर : दीवाली
प्रश्न : स्टेशन पर बोझा उठाने वाला?	उत्तर : कुली
प्रश्न : ... जानवर?	उत्तर : बिल्ली
प्रश्न : हाथों से बजाते हैं?	उत्तर : ताली
प्रश्न : गंदे लोगों के मुँह से निकलती है?	उत्तर : गाली
प्रश्न : फूल खिलने से पहले होती है?	उत्तर : कली
प्रश्न : ... दिमाग?	उत्तर : खाली

(लेकिन सिर्फ तुम्हारा हा हा हा!!!)

(प्रस्तोता शिक्षक : प्रशान्त अग्रवाल, प्रा. वि. डहिया, बरेली, उत्तर प्रदेश)

प्रशान्त अग्रवाल, बरेली
मिशन शिक्षण संवाद

प्रश्न घुमाया, बनी पहेली

(Learning with fun covering common knowledge of various subjects)

दिमाग चलाओ, होड़ लगाओ

झिझक मिटाओ, तुरत बताओ

एक गतिविधि है कि प्रश्न को घुमाकर इस प्रकार से पूछा जाये जिससे :

1. उत्तर देने से पहले भरपूर दिमाग चलाना पड़े
2. एक ही प्रश्न में अनेक विषय समाहित हो जाते हों
3. उत्तर 'एकशब्दीय' हो
4. उत्तर अंग्रेज़ी में ही देना होगा

(**और खेल यह भी** : जो गलती से हिंदी में उत्तर देगा वह स्वयं अपने गाल पर थप्पड़ (हँसी-ख़ुशी वाला) लगा लेगा। (हिंदी की महत्ता और सम्मान अक्षुण्ण रखने की भावना के साथ) (सोचने की थोड़ी लंबी प्रक्रिया के कारण प्रतिक्रियात्मक शोर भी नियंत्रित रहता है)

उदाहरण :

- उस जानवर का नाम बताओ जो उस राज्य में विशेषकर मिलता है जहाँ हवामहल है। (अब ऊँट कहने वाले अपने थप्पड़ लगा लो क्योंकि सही उत्तर camel है।)
- वो कौन है (पेशा) जिसे हम अपना सामान भी देते हैं, पैसे भी देते हैं और बदले में जिससे कुछ नहीं लेते। (Barber)
- Father की mother के husband (Grandfather)

(To develop english listening skills & to encourage vocabulary learning ask many questions using same structure mentioned below)

- Colour of Parrot...., Colour of Buffalo..., Colour of milk...., ...
- Body part related to see...., Body part related to smell...., ...
- Tell me the product of 4 and 6..., Tell me the product of 3 and 5...., ...
- Fruit of Allahabad .., Fruit with colour name.., Fruit with iron.., ...
- Day of special namaz...., Day of Shiv ji...

(Just a glimpse to pave the path for a question-based creative leaning with fun, especially in the atmosphere of teaching many classes at the same time)

(विचारक : प्रशान्त अग्रवाल, प्राथमिक विद्यालय डहिया, बरेली, उ.प्र.)

मिशन शिक्षण संवाद
प्रशान्त अग्रवाल, बरेली

Peer Learning के अनुभव

(Peer learning concept के लाभ)

1. **शिक्षकों की कमी से जूझते विद्यालय में होशियार विद्यार्थियों से लाभ उठाना**
2. **विद्यालय समय के अतिरिक्त घर पर भी साथी के साथ पढ़ने का माहौल**
3. **आपस में सहयोग की भावना का विकास**

(मेरा अनुभव)

1. **सर्वप्रथम तो बच्चों को इससे उन्हें मिलने वाले लाभ बताये जैसे**
   - **तुम्हारा revision हो जायेगा।**
   - **पढ़ाने वाले की इज़्ज़त बढ़ेगी।**
   - **गाँव में अच्छी छवि बनेगी।**
   - **ज्ञान-दान का पुण्य मिलेगा आदि**
   - **भविष्य में tuitions मिल सकती हैं....**
2. **फिर बच्चों द्वारा अपना जोड़ीदार चुनना (पढ़ने वाले-पढ़ाने वाले दोनों की सहज सहमति से)**
3. **समूह में प्राय: 2 से लेकर 4 तक बच्चे हो सकते हैं।**
4. **प्रगति का नियमित फीडबैक लिया गया और प्रगति करने वाले जोड़े को सार्वजनिक सराहना-पुरस्कार द्वारा प्रोत्साहित किया गया।**

(समस्याएँ जो आयीं)

1. **पढ़ने वाले की अनियमित उपस्थिति या लापरवाही से पढ़ाने वाले में असंतोष**
2. **Rythym का अनेक कारणों से टूटना।**

परिस्थितियां रही हों या मेरे प्रयासों में कोई त्रुटि रही हो, फिर भी प्रयास कमोबेश आज भी जारी हैं और अपेक्षानुरूप न सही, लेकिन न्यूनाधिक लाभ निश्चित रूप से मिला, मिल रहा है, आशा है कि और अधिक मिलेगा, क्योंकि कोशिश करने वालों की कभी.....

(विचारक: प्रशान्त अग्रवाल, प्रा. वि. डहिया, बरेली, उ.प्र.)

प्रशान्त अग्रवाल, बरेली

मैं हिंदी, तुम English लिखो

(छोटी सी गतिविधि)

बहुत हो चुका oral test
देखें किसका लेखन best

मैं श्यामपट्ट पर हिंदी में रंगों के नाम लिखता गया, और बच्चों को उनकी English लिखने का निर्देश दिया गया। काम पूरा करके कॉपी लाने वालों के नाम श्यामपट्ट पर क्रम से लिखते गये। बाद में उनके द्वारा लिखी गयी शुद्ध spellings की संख्या उनके नाम के आगे लिखकर उन्हें रैंकिंग भी दी गयी।

ऐसे ही अंगों की स्पर्द्धा करायी गयी। कल उनसे इसी गतिविधि हेतु फलों की English तैयार करके आने को कहा है।

लघु-पुरस्कार-प्रोत्साहन भी शामिल कर सकते हैं।

(विचारक : प्रशान्त अग्रवाल, प्रा. वि. डहिया, बरेली, उ.प्र.)

बच्चों पर रचित पद्य, गायन

(एक विशेष संकल्पना)

बच्चे के चित्त पर दूरगामी प्रभाव डालने में निरंतर उच्चारित शब्दों और संगीत का विशेष महत्त्व है।

इसी अनुक्रम में यह प्रयास किया है, करते रहना है, जिसमें बच्चे के लिए रचित कुछ लयात्मक शब्दों का उसके समक्ष अक्सर प्रयोग किया जाता है जिससे ये शब्द उस बच्चे के व्यक्तित्व का अभिन्न अंग बनकर उसमें सकारात्मक ऊर्जा भरते रहें।

प्रशान्त अग्रवाल, बरेली

वीडियो को देखने से पहले सुधी साथीगण उक्त तत्त्व की गहराई को इन दो संदर्भों से अवश्य अनुभव करें।

1. तोत्तोचान विषयक
2. हिम्बा प्रथा विषयक

(विचारक: प्रशान्त अग्रवाल, प्रा. वि. डहिया, बरेली, उ.प्र.)

संख्या पहचानो गतिविधि

Graded learning प्रशिक्षण में मिले 1-96 तक की संख्यायों के cards का कल और आज एक खेल कराया जिसमें प्रत्येक बच्चे को बराबर-बराबर cards बाँट दिये। फिर गिनती बोलनी शुरू की और बच्चे अपनी संख्या आने पर yes sir बोलते चले। जिस गिनती पर कोई नहीं बोला, खोज की कि वह किसके पास है, उसको -1 मिला (खुद को प्यारी चपत लगाने के साथ)।

प्रशान्त अग्रवाल, बरेली

(वैकल्पिक संशोधन)

मिशन शिक्षण

1. गिनती खुद भी बोल सकते हैं, बच्चों से भी बुलवा सकते हैं।
2. इन्हें आरोही/अवरोही क्रम में भी विन्यस्त करा सकते हैं।
3. बच्चों की संख्या अधिक होने पर समूह गतिविधि भी करायी जा सकती है।

(Learning Outcomes)

- खेल-खेल में ही बच्चों में संख्या की पहचान सुदृढ़ होती है।
- आरोही-अवरोही की समझ का विकास और अभ्यास होता है।

(विचारक : प्रशान्त अग्रवाल, प्रा. वि. डहिया, बरेली, उ.प्र.)

वर्ण बारम्बार, चुना वाक्य मार्ग

अमीर के अनार से, अपनी अमिया अच्छी
आगरा से आज ही, आलू आम आये
इमली के इनाम से, इलमा इतरायी
ईश्वर ने ईसा को, दी ईमानदारी
उनसठ की उम्र में, उजला उल्लू उछला
ऊन के ऊपर, ऊँचा ऊँट ऊँघा
ऋषि से ऋचा-ऋतु, ऋणमुक्त हुई
एकता की एक एड़ी, एकाएक मुड़ी
ऐबी ने ऐरावत की, ऐनक ऐसे ऐंठी
ओस में ओमा ने, ओढ़नी ओढ़ी
औरत और औघड़ ने, औषध औटायी
अंकल के अंगोछे में, अंगद के अंगूर

कोयल ने कौए से, काम को कहा
खेत में खरगोश ने, खट्टा खीरा खाया
गोरी गइया गाना गाती, गंगाजी गयी
घास पर घूमकर, घोड़ा घर में घुसा

चोरों ने चाचा के, चार चम्मच चुराये
छाछ पीकर छुटकी, छोटी छत पर छुपी
जाड़े में जीजा जी, जल्दी-जल्दी जागे
झरने की झिलमिल में, झम्मन झूला झूले

टंकी की टूटी टोंटी, टपटप टपकी
ठाकुर के ठेले ने, ठठेरे को ठोंका
डमरू की डमडम से, डब्बू डाकू डरा
ढोलक की ढमढम से, ढीला ढक्कन ढहा

तोते ने तितली के, तीन तकिये तोले
थुलथुल ने थाने में, थाली थपथपायी

दादी ने दीदी को, दलिया-दूध दिया
धोबी ने धीरे-धीरे, धान धनिया धोया
नैना के नाना-नानी, नदी में नहाये

प्यासे पेड़-पौधों को, पापा पानी पिलायें
फूफा जी फिर से, फर्श पर फिसले
बाबा ने बेटे की, बीस बकरी बेचीं
भालू का भोला भइया, भीड़ में भागा
मम्मी को मेले में, मोटे मामा मिले

योगी को यज्ञ की, याद यूं आयी
राजा ने रानी को, रोली से रंगा
लाला की लल्ली, लाल लड्डू लायी
वीरों ने वन में, विशेष विद्या पायी

शीला की शादी में, शेर का तमाशा
वर्षा से हर्ष ने, विशेष कष्ट पाया
सपने में सोने के, सात सौ सिक्के
हाथी को होली का, हलुआ हजम हुआ

क्षत्रिय की शिक्षा का, लक्ष्य है रक्षा
शस्त्र और शास्त्र के, छात्र हैं सुपात्र
अज्ञानी को ज्ञान की, आज्ञा दें

लड़ना अकड़ना, जड़ में गड़बड़
पढ़-पढ़ बढ़, सीढ़ी चढ़
श्रमिक का श्रम, श्रेष्ठ श्रीप्रद

(विचारक-रचनाकार)
प्रशान्त अग्रवाल, प्रा. वि. डहिया, बरेली

प्रशान्त अग्रवाल, बरेली

वर्ण पहचान संबंधी एक गतिविधि

(संकल्पना)

यह मानते हुए रची गयी है कि बच्चों के मन में वाक्य द्वारा एक दृश्य निर्मित होगा, जो उनकी स्मृति में अधिक प्रगाढ़ रहेगा।

(प्रक्रिया)

हर बच्चे को एक वर्ण आवंटित किया जायेगा और उसे अपना वाक्य बोलते हुए उस वर्ण को सबके समक्ष प्रस्तुत करने को कहा जायेगा, बोलते-बुलवाते और विशेषकर अपना वर्ण दिखाते हुए। (पहले शिक्षक करके समझा देंगे)

(प्रबंधन में सोच)

वाक्य-प्रबंधन में यथासामर्थ्य ध्यान रखा गया है कि

* वाक्य में बोलचाल के शब्द आयें
* वाक्य में बाल-कौतुक हो
* वाक्य बोलने में सुगम हो

(पहले बड़े वाक्य बनाये थे, पर बच्चों की दिक्कत को देखने के बाद उन्हें छोटा किया)

(विचारक-रचनाकार : प्रशान्त अग्रवाल, प्रा. वि. डहिया, बरेली, उ.प्र.)

Vocabulary Enhancement

(Interesting Activity)

कुछ letters श्यामपट्ट पर लिख दिये जाते हैं। फिर बच्चों से उन letters से words बनाने को कहा जाता है और उनके 'with spelling' बोले हुए words श्यामपट्ट पर लिखे जाते हैं।

प्रशान्त अग्रवाल, बरेली

जब वे बना चुकते हैं, तो मैं दूसरे श्यामपट्ट पर अपने बनाये हुए शब्द लिखकर बुलवाता हूँ।

इसी प्रकार आज बच्चों ने उक्त 8 letters से 76 words बनाये। उनके अतिरिक्त मैंने 50 बनाये। (कुल 126)

बाद में इनको spelling और अर्थ सहित दोहरवाया गया।

(प्रयोगकर्ता : प्रशान्त अग्रवाल, प्रा. वि. डहिया, बरेली, उ.प्र.)

प्रशिक्षण में कराने योग्य गतिविधियाँ

(पुनर्स्मरण हेतु संक्षिप्त संकेत)

1. 8-8 के समूह बनाकर पर्ची निकलवाकर हर समूह को task देना व उसकी प्रस्तुति करवाना। जैसे : बच्चों को 'क' वर्ग वाले वर्णों की आकृति पहचान कैसे कराएंगे?

2. 4-4 के समूह बनाकर उन्हें unseen passage या 'अखबार से काटा जीवंत चित्र' देकर learning outcomes निकलवाना।

3. ('मिले सुर मेरा तुम्हारा' गतिविधि द्वारा समूह में सामंजस्य का महत्त्व स्पष्ट करना) अनेक लोग मेज पर झुककर समान लय में क्रमशः ध्वनि पैदा पैदा करते हैं।

4. आसपास की किन्हीं दो वस्तुओं को समूह को आवंटित करके पूछें कि आप बच्चे को इससे क्या-क्या और कैसे सिखा सकते हैं? अन्य समूह उसमें अपने सुझाव जोड़ें।

5. (एकाग्रता संवर्धन हेतु 'Touch your nose activity') बोलने के अनुसार करने के निर्देश देंगे और फिर बीच में touch your nose बोलकर होंठ छू देते हैं, काफी लोग सुने की बजाय देखा हुआ करके हार जाते हैं।

6. (बच्चों में खेल-खेल में पर्यावरणीय संस्कारों का बीजारोपण 4R गतिविधि) चार लोग खड़े हों, आंखें बंद करवा दें और बता दें कि reuse पर एक कदम आगे, reduce पर एक कदम पीछे, refuse पर वहीं स्थिर और recycle पर खड़े खड़े घूम जाना है।

7. ('लक्ष्य ऊँचा, तो सफलता अधिक' का संदेश देती 'उंगली पर छड़ी टिकाना' गतिविधि) पहले छड़ी की जड़ में देखकर, फिर छड़ी के शीर्ष पर देखकर समय देखना

8. कल्पनाशक्ति के विकास हेतु 'वाक्य जोड़ें, कहानी बढ़ायें' गतिविधि

9. Learning outcomes concept स्पष्ट करने हेतु musical ball/duster प्रश्नोत्तरी कराना

और जो सुधी साथियों को उचित लगें......

(प्रस्तोता: प्रशान्त अग्रवाल, प्रा. वि. डहिया, बरेली, उ.प्र.)

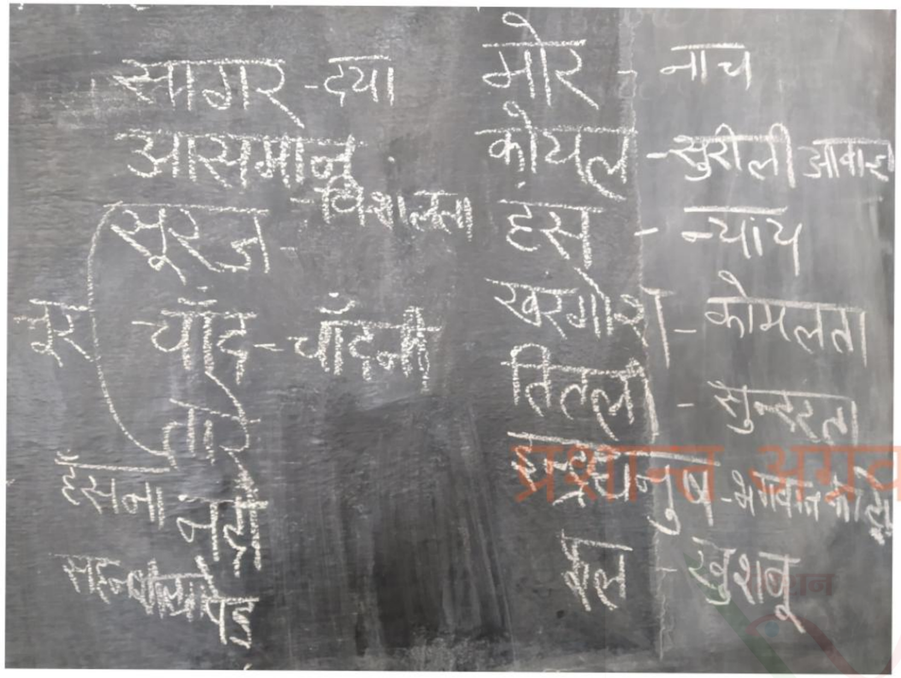

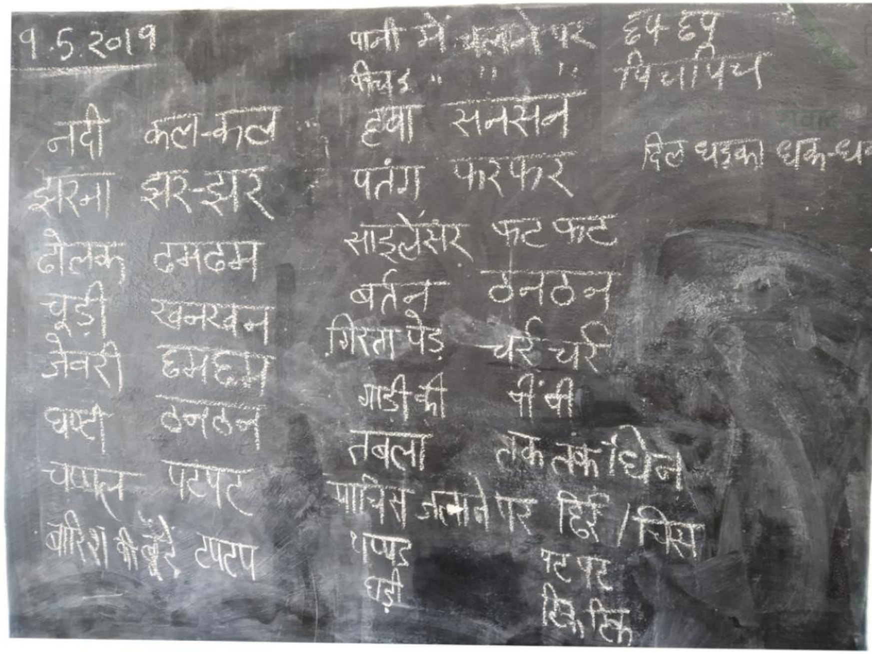

प्रशान्त अग्रवाल, बरेली

बच्चों का उत्साह : ग़ज़ब का प्रवाह

(एक जीवन्त अनुभव)

DIET बरेली की प्रवक्ता श्रीमती शिवानी यादव मैम ने 3 दिन पहले एक योजना के अंतर्गत कुछ मार्गदर्शन किया उससे मेरे शिक्षण को जो ज़मीनी लाभ हुआ, आज उसी को साझा कर रहा हूँ।

इस शिक्षण में सबसे अहम बात रही, "बच्चों से ऐसी चर्चा जिसमें उनके बोलने का scope अधिक हो, वह भी पुस्तकीय नहीं, बच्चों की अपनी कल्पना द्वारा।" और सत्य यह है कि बच्चों की सम्मिलित कल्पना प्रायः हम से भी बहुत आगे निकल जाती है; हाँ, निखार लाने के लिए हम उस पर final touch का थोड़ा मुलम्मा चढ़ा देते हैं।

आज ही इसका उदाहरण मिला, जब 'हे जग के प्रकाश के स्वामी..' कविता गाने से पहले उस पर विस्तृत वार्तालाप किया गया। 'शब्दों पर कल्पनात्मक उत्तर' और 'सम-तुकांत शब्द' तो तैयारी के अनुरूप ही निकलवाये गये।

लेकिन उसके बाद 'फ़िल्म' में जबरदस्त turning point आने लगे। जब प्रश्न दिया गया कि कुदरत की कौन-कौन सी चीजें देखकर भगवान की याद आती है तो सागर, आसमान, नदी आदि पुस्तकीय बातों के बाद मोर (ईश्वरीय नाच), हंस (ईश्वरीय इंसाफ), कोयल (ईश्वरीय मधुर सुर) आदि अद्भुत दृष्टान्त चर्चा के विषय बन गये।

फिर एक प्रश्न पूछा कि "बेजान चीज़ों के नाम और उनसे निकलने वाली ध्वनियां बताओ", इस पर तो उत्साह का सैलाब आ गया जिसने मेरी चॉक की रफ्तार को भी पीछे छोड़ दिया।

कुल मिलाकर बात यह कि बच्चों की सहभागिता से

1. **अधिगम सम्प्राप्ति रोचक**
2. **अपेक्षाकृत स्थाई ज्ञान**
3. **बच्चों में खुद बोलने का विश्वास**
4. **हाशिये पर पड़े बच्चों का मुख्य धारा में समावेश**
5. **विचार-कल्पना से बौद्धिक पैनेपन का विकास**
6. **'हम किताब से आगे' की भावना जैसे अनेक लाभ प्राप्त हुए।**

योजना तो धरी रह गयी, किन्तु आत्मा बढ़कर
बच्चों को बस दिशा मिले, वे स्वयं करें बढ़-चढ़कर
और बात ऐसी भी लगती, वे पुस्तक से आगे
उत्तर से करते हैरान, एकाग्रता जब जागे

(प्रस्तोता/अनुभवकर्ता : प्रशान्त अग्रवाल, प्रा. वि. डहिया, बरेली, उ.प्र.)

® Relations' Spellings ®

M,O,T, H,E,R, मदर माने माता
F,A,T, H,E,R, फादर हैं पापा

S,I,S, T,E,R, सिस्टर बहना प्यारी
B,R,O, T,H,E,R, ब्रदर होता भाई

D,A,U,G, H,T,E,R, डॉटर बिटिया रानी
S,O,N, सन बेटा लाड़ लड़ातीं नानी

U,N, C,L,E, अंकल ताऊ, चाचा
A,U,N,T, आंट चाची ताई, मौसी, बुआ

W,I, F,E, वाइफ पत्नी होती
H,U,S, B,A,N,D, हसबैंड है पति

G,R,A, N,D.... 'ग्रांडफादर' दादा
और 'ग्रांडमदर' हैं 'मम्मी of पापा'

(रचनाकार : प्रशान्त अग्रवाल, स०अ०, प्रा०वि० डहिया, बरेली)

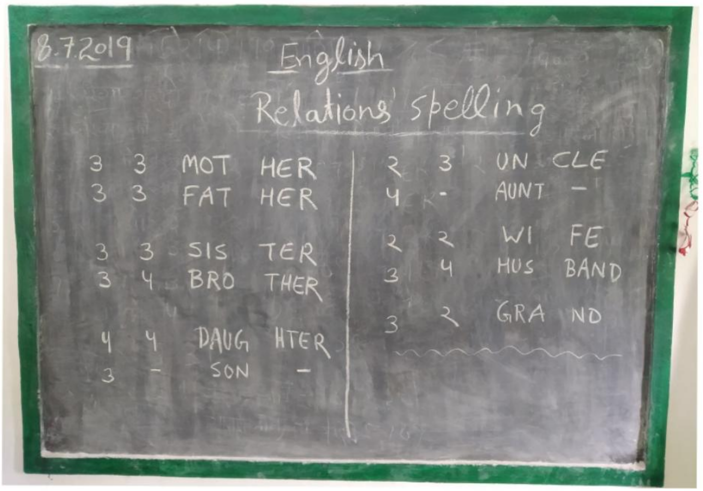

Spelling Learning : एक गतिविधि

कक्षा : 3/4

विषय : English

उपविषय : Relations' spellings

(Learning Outcome)

बच्चे रिश्तों की अंग्रेज़ी spelling सहित याद कर लेते हैं।

(शिक्षण प्रक्रिया)

गीत के द्वारा बच्चों को न केवल रिश्तों की अंग्रेज़ी याद करायी जाती है बल्कि उचित संख्या में दोनों हाथों की उंगलियाँ उठवाकर और syllables के थोड़े संशोधित रूप में तोड़कर उनकी spellings भी याद करायी जाती है।

(मूल्यांकन विधि)

1. पारंपरिक तरीके से सीधे spelling सुनकर।
2. एक विशिष्ट रिश्ते की अंग्रेज़ी का तीसरा/चौथा... letter पूछकर (स्पर्द्धा रूप में)।
3. प्रश्न को घुमाकर पूछना ताकि विचारने में अधिक समय लगे और अव्यवस्था न हो जैसे 'राखी बँधवाने वाले की अंग्रेज़ी का चौथा letter'.
4. Fill up के रूप में spelling test.

(विचारक : प्रशान्त अग्रवाल, प्रा. वि. डहिया, बरेली, उ.प्र.)

पहेली विधा : दिमाग घिसकर पैना होता

यह तो हम सभी जानते हैं कि घिसने से दिमाग कम नहीं होता, बल्कि पैना होता है। और आजकल की प्रतियोगी परीक्षाओं में तर्कशक्ति परीक्षण (reasoning) में भी जानकारियों से भी अधिक काम देता है यह पैना दिमाग।

ऐसे में पहेली वह रोचक विधा है जो न सिर्फ मनोरंजक है बल्कि कल्पनाशक्ति का विकास करके दिमाग को पैना भी बनाती है। यह उन बच्चों के लिए भी फायदेमंद जो भले ही जवाब न दे पाएं लेकिन उत्तर सोचने में दिमाग लगाते हैं।

अतः प्रस्तुत है यहाँ-वहाँ से एकत्रित कुछ पहेलियों का एक लघु संग्रह :-

- भूरा बदन, रेखाएं तीन; दाना खाती हाथ से बीन। (गिलहरी)
- वह कौन सी चीज़ है जो एक जगह से दूसरी जगह जाती तो है, पर अपनी जगह से हिलती नहीं? (सड़क)
- जितनी ज्यादा सेवा करता; उतना घटता जाता हूँ। सभी रंग का नीला-पीला; पानी के संग भाता हूँ। (साबुन)
- दर पे तेरे बैठा हूँ मैं, करने को रखवाली; बोलो, भैया साथ ले गए, क्यों मेरी घरवाली। (ताला)
- परिवार हरा हम भी हरे; एक थैली में तीन - चार भरे। (मटर)
- कभी बड़ा हो कभी हो छोटा; माह में एक दिन मारे गोता। (चन्द्रमा)
- सफेद मुर्गी ,हरी पूंछ; तुझे न आए,तो काले से पूछ। (मूली)
- एक फूल है काले रंग का, सिर पे हमेशा सुहाए; तेज़ धूप में खिल-खिल जाता, पर छाया में मुरझाये। (छतरी)
- धूप देख मैं आ जाऊं; छाँव देख शरमा जाऊं; जब हवा करे मुझे स्पर्श; मैं उसमे समा जाऊं। (पसीना)
- हरा आटा, लाल परांठा; मिल-जुल कर सब सखियों ने बांटा। (मेहंदी)
- लाल घोड़ा रुका रहे, सफ़ेद और काला घोड़ा भागता जाये। (आग और धुआँ)
- पढ़ने में लिखने में दोनों में ही मैं आता काम; पेन नहीं कागज़ नहीं, बताओ क्या है मेरा नाम? (चश्मा)
- पानी से निकला पेड़ एक; पात नहीं पर डाल अनेक; इस पेड़ की ठंडी छाया; बैठ के नीचे उसको पाया। (फव्वारा)
- हरा चोर लाल मकान; उसमे बैठा काला शैतान; गर्मी में वह है दिखता; सर्दी में गायब हो जाता! (तरबूज)
- काला मुंह लाल शरीर, कागज़ को वो खा जाता; रोज़ शाम को पेट फाड़कर कोई उन्हें ले जाता! (पत्र पेटिका)
- एक ऐसा शब्द बतायें जिससे फूल फल और मिठाई बन जाये। (गुलाबजामुन)
- चार कोनों का नगर बना; चार कुँए बिन पानी; चोर 18 उसमे बैठे लिए एक रानी;
आया एक दरोगा, सब को पीट-पीट कर कुँए में डाला। (कैरम)
- बीसों का सर काट लिया; ना मारा ना ख़ून किया। (नाखून)
- तुम न बुलाओ मैं आ जाऊँगी; न भाड़ा न किराया दूँगी; घर के हर कमरे में रहूँगी;
पकड़ न मुझको तुम पाओगे; मेरे बिन तुम न रह पाओगे। (हवा)
- एक थाल मोतियों से भरा; सबके सिर पर उल्टा धरा; चारों ओर फिरे वो थाल; मोती उससे एक ना गिरे। (आसमान-तारे)
- बीमार नहीं रहती, फिर भी खाती है गोली; बच्चे, बूढ़े सब डर जाते हैं सुन कर इसकी बोली। (बन्दूक)
- तीन पैरों वाली तितली नहा कर निकली। (समोसा)
- खरीदने पर काला, जलाने पर लाल और फेंकने पर सफ़ेद। (कोयला)
- एक राजा की अनोखी रानी, दुम के सहारे पीती पानी। (दिया-बाती)
- चार पाँव पर चल न पाए चलते को भी वह बैठाए। (कुर्सी)
- मारे से वह जी उठे बिन मारे मर जाए। (ढोलक)
- चल पड़ती तो चल जाती बिना सहारे ठहर न पाती। (साईकिल)
- सिर पर पत्थर पेट में अंगुलि। (अंगूठी)
- एक गुनी ने ये गुन कीना, हरियल पिंजरे में दे दीना; देखो जादूगर का कमाल, डारे हरा निकाले लाल। (पान)
- ऐसी कौन सी चीज़ है जो अधिक ठंड में भी पिघलती है? (मोमबत्ती)
- ऐसा कौन सा फल है जो कच्चे में मीठा लगता है और पकने के बाद खट्टा या कड़वा लगता है? (अनन्नास)
- कान मरोड़े पानी दूंगी, मैं कोई पैसा न लूंगी। (नल की टोंटी)

(विचार/प्रस्तुति: प्रशान्त अग्रवाल, प्राथमिक विद्यालय डहिया, बरेली, उत्तर प्रदेश)

“शब्द खोजो, जिसमें हो संख्या/रंग/....”

एक पत्रिका में एक गतिविधि पढ़ी 'हिंदी के ऐसे शब्द सोचो जिनमें संख्याएँ आती हों, जैसे बर'सात', 'नौ'कर, ला'चार', आस्तीन...'

फिर विचार किया कि इसी गतिविधि को विस्तार देते हुए तो अनेक प्रकार के शब्दों की खोज करायी जा सकती है। जैसे :-

1. अंगों वाले शब्द : मकान, रकम, कहना, पेन्टर

2. रंगों वाले शब्द : हमारा, गुलाल, इलाका

3. सब्ज़ी वाले शब्द : अबीर, रतजगा, राखी

4. पेड़ों के अंग वाले शब्द : जलेबी, तमन्ना, फसल, लच्छा

5. फूलों वाले शब्द : बगुला, नेकर

6........

7.........

प्रशान्त अग्रवाल, बरेली
मिशन शिक्षण संवाद

फिर एक और विचार आया :-

प्रायः हमारे विद्यालयों में कई कक्षाओं एवं स्तरों के बच्चों को एक साथ पढ़ाना पढ़ता है। ऐसे में बड़े बच्चों को विशेष वर्ग के jumble शब्द सोचकर लिखने को कहा जाये (जो अपेक्षाकृत कठिन है) और छोटे बच्चों को उन jumble शब्दों में से सही शब्द ढूँढ़ने को कहा जाये।

Learning Outcome : बच्चों की शब्द-क्षमता, कल्पना शक्ति और reasoning power खेल-खेल में ही रोचक ढंग से बढ़ाने का संभवतः अच्छा और व्यवहारिक उपाय है।

(प्रस्तुति : प्रशान्त अग्रवाल, प्राथमिक विद्यालय डहिया, बरेली, उ.प्र.)

प्रार्थना सभा में संस्कारों का बीजारोपण

प्रार्थना-सभा में निम्नलिखित प्रश्न पूछकर विद्यार्थियों में संस्कारों का बीजारोपण किया जा सकता है :-

(मर्म कथन : प्यारे बच्चों, यदि तुम गलत जवाब दोगे तो अपना ही नुकसान करोगे क्योंकि तुम मेरी निगाह से भले ही बच जाओ, लेकिन भगवान/अल्लाह को धोखा नहीं दे पाओगे, इसलिए सारे बच्चे पूरी ईमानदारी से जवाब देंगे।)

- **कौन-कौन 5 बजे से पहले उठ गया ?**
- **किस-किसने दांत साफ़ किये?**
- **कौन-कौन नहाकर आया है?**
- **कौन-कौन बड़ों को नमस्ते/सलाम/प्रणाम करके आया है?**
- **किस-किसने बड़े भाई/बहन का नाम नहीं लिया और उन्हें भइया/जीजी/बाजी कहा?**
- **किस-किसने कल घर पर कम-से-कम एक घंटा पूरे मन से पढ़ाई की?**
- **किस-किसने अपने छोटे भाई-बहन को पढ़ाया?**
- **किस-किस बच्चे ने कल घर या खेत के काम में घरवालों का हाथ बँटाया?**
- **क्या कल किसी बच्चे ने घर के लोगों के अलावा अन्य किसी की कोई मदद की? की हो तो बताये।**
- **किस-किसने कल दूसरों के लिए नल चलाया?**
- **कल कौन-कौन खाते समय बिल्कुल नहीं बोला (सिवाय ज़रूरी बात के)?**
- **किसने आज प्रार्थना के दौरान एक बार भी आँख नहीं खोली?**
- **प्रार्थना करते समय किस-किस बच्चे ने भगवान/अल्लाह को याद किया?**
- **अगर कल किसी बच्चे के मुँह से कोई गाली निकली हो या उसने खाना फेंका हो या कोई अन्य गलती हुई हो तो स्वीकार करने की ईमानदारी और साहस दिखाए और आगे से वह ऐसा नहीं करेगा, इसकी पूरी कोशिश करने का वचन दे।**
- **...... आदि (जो सुधी शिक्षकगण जोड़ना चाहें)**

साप्तहिक आधार पर उन बच्चों को अलग पंक्ति में खड़ा करके उनके लिए तालियाँ बजवाना और पुरस्कृत करना,

- **जो रोज़ आते हैं और समय से आते-जाते हैं।**
- **जो अत्यावश्यक कार्य के अलावा जल्दी छुट्टी देने को नहीं कहते।**
- **जिनकी शिकायत नहीं आती।**
- **जो साफ़-सुथरे गणवेश (यूनिफॉर्म) में आते हैं।**
- **जो मितभाषी और मृदुभाषी हैं।**
- **जिनकी कॉपी-किताबें अच्छी दशा में पायी जाती है।**
- **जो शांत-भाव से पूरे ध्यान से पढ़ते हैं।**
- **जिनकी भाषा और हाव-भाव में शिष्टाचार समाहित रहता है।**
- **......**

छोटे बच्चों के लिए कुछ 'प्रभाव-संभव' आह्वान :

- **पूरे मन से पढ़ोगे या आधे मन से?**
- **देख-देखकर बोलेंगे, बोल-बोलकर लिखेंगे।**
- **(लड़ने वालों से) पढ़ने आये या लड़ने?**
- **(नक़ल का काम माँगनेवाले बच्चों से) नक़ल चाहिए या अकल?**
- **(लिखने पर जोर देने वाले बच्चों से) कॉपी भरना है या दिमाग?**
- **इंजन हो या डिब्बा?**
- **......**

(विचारक : प्रशान्त अग्रवाल, प्रा. वि. डहिया, बरेली, उत्तर प्रदेश)

सही वर्ण पहचानो

(BRC फतेहगंज पश्चिमी, बरेली में हुए Learning Outcomes प्रशिक्षण के दौरान एक प्रतिभागी समूह का idea)

वर्ण पहचान और निर्माण हेतु एक समूह से idea आया कि

"सही वर्ण पहचानो गतिविधि में एक वर्ण की तीन मिलती-जुलती गलत बनावटें और एक सही बनावट लिखें और सही की खोज करायें तो बच्चा बारीकी से देखेगा और उसके अंदर वर्ण की सही पहचान गहरी स्मृति का अंग बन जाएगी।"

(प्रस्तोता: प्रशान्त अग्रवाल, प्रा. वि. डहिया, बरेली, उ.प्र.)

प्रशान्त अग्रवाल बरेली
मिशन शिक्षण संवाद

Vowel sounds की आसान पहचान

(BRC फतेहगंज पश्चिमी, बरेली में हुए Learning Outcomes प्रशिक्षण के दौरान एक प्रतिभागी समूह का idea)

एक प्रतिभागी समूह द्वारा vowel sounds को ज्ञात sounds से जोड़ने का विशिष्ट प्रयोग किया।

प्रशान्त अग्रवाल, बरेली
शिक्षण संवाद

साथी पुकारे a a

तीखा खाया e e

चीख निकली i i

चौंक के बोले o o

रॉकेट उड़ा u u

(प्रस्तोता: प्रशान्त अग्रवाल, प्रा. वि. डहिया, बरेली, उ.प्र.)